गणेश जी की आरती (Ganesh Ji ki Aarti)

....

Ganesh Ji ki Aarti: किसी भी शुभ कार्य से पहले पूज्य गणेश जी को याद किया जाता है. उनका गायन करने से बुद्धि का विकास होता है और आशीर्वाद मिलता है. गणेश जी की आरती (ganpati aarti)से सारे विघ्न दूर होते हैं. जीवन मंगलमय होता है और गणेश जी की कृपा प्राप्त होती है.

Ganesh Ji Ki Aarti | गणेश जी की आरती

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

एक दंत दयावंत, चार भुजा धारी।
माथे सिंदूर सोहे, मूसे की सवारी॥ जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

पान चढ़े फल चढ़े, और चढ़े मेवा।
लड्डुअन का भोग लगे, संत करें सेवा॥

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया॥

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

'सूर' श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

दीनन की लाज रखो, शंभु सुतकारी।
कामना को पूर्ण करो, जाऊं बलिहारी॥

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

भगवान गणेश की जय, पार्वती के लल्ला की जय

आरती के बाद इस मंत्र का जप करें
वर्णानामर्थसंघानां रसानां छन्दसामपि।
मंगलानां च कर्त्तारौ वन्दे वाणीविनायकौ॥1॥
गजाननं भूत गणादि सेवितं,
कपित्थ जम्बू फल चारू भक्षणम् ।
उमासुतं शोक विनाशकारकम्,
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम् ॥

गणेश जी की आरती (Ganesh Ji ki Aarti) का भावार्थ

- इस आरती में **गणपति बप्पा की महिमा** का गान होता है।
- भक्त उन्हें **विघ्नहर्ता** (सभी बाधाओं को दूर करने वाले) और **सिद्धिदाता** (सफलता देने वाले) के रूप में पूजते हैं।
- इसमें भगवान गणेश के स्वरूप का वर्णन है – वे गजमुख (हाथी का सिर), विशाल शरीर, और मोदकप्रिय हैं।

- आरती में यह प्रार्थना होती है कि गणेश जी हमारे जीवन से दुख-दर्द और संकट दूर करें, सुख-समृद्धि प्रदान करें और हमारी मनोकामनाएँ पूरी करें।
- आरती का गान करने से मन को शांति, कार्यों में सफलता और परिवार में सुख-समृद्धि आती है।

गणेश की पूजा कैसे करें?

1. स्थान तैयार करें

- घर के उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या पूजा स्थान को साफ करें।
- लकड़ी की चौकी/पट्ट पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएँ।

2. भगवान गणेश की मूर्ति/चित्र स्थापित करें

मूर्ति ऐसी हो जिसमें सूंड दायीं या बायीं ओर मुड़ी हो (अधिकतर बायीं ओर शुभ मानी जाती है)।

3.संकल्प लें

हाथ में जल और फूल लेकर भगवान गणेश से प्रार्थना करें कि पूजा सही भाव से पूरी हो।

4.आवाहन और आसन

  - "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र बोलते हुए गणेश जी का आवाहन करें।

5.धूप, दीप और नैवेद्य

1. दीपक जलाएँ, धूप अर्पित करें।
2. गणेश जी को मोदक, लड्डू, दूर्वा (तीन पत्तियों वाली घास) और लाल फूल अर्पित करें।
3. नारियल और फल भी चढ़ा सकते हैं।

6. मंत्र जाप

- "ॐ गं गणपतये नमः" या "वक्रतुंड महाकाय" मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें।

7. आरती करें

- गणेश जी की आरती (जैसे *"जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा…"*) गाएँ।

8. प्रसाद बांटे

पूजा पूरी होने पर परिवार के सदस्यों में प्रसाद बाँटें।

1.भगवान गणेश जी का जन्म कैसे हुआ?

माता पार्वती ने स्नान के समय अपने उबटन से गणेश जी की प्रतिमा बनाई और उसमें प्राण फूँक दिए। फिर माता ने उन्हें द्वार पर पहरा देने के लिए खड़ा कर दिया. जब भगवान शिव अंदर आए और गणेश जी ने उन्हें टोक दिया, तो शिवजी ने क्रोधित होकर उनका सिर काट दिया। बाद में माता पार्वती के रोने पर शिवजी ने गणेश जी को हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया। इसी के साथ महादेव में गणेश जी को **गजानन** का भी नाम दिया.

2. गणेश जी को 'विघ्नहर्ता' क्यों कहा जाता है?

देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि सबसे पहले पूजा उन्हीं की होगी और वे भक्तों के सभी विघ्न दूर करेंगे। इसीलिए गणेश जी **विघ्नहर्ता** कहलाते हैं।

3.गणेश जी का वाहन कौन है?

गणेश जी का वाहन **मूषक (चूहा)** है। यह प्रतीक है कि सबसे छोटा जीव भी ईश्वर की कृपा से महान कार्य कर सकता है।

4. गणेश जी की शादी किससे हुई थी?

गणेश जी का विवाह **ऋद्धि और सिद्धि** से हुआ था। ये दोनों ब्रह्मा जी की पुत्रियाँ मानी जाती हैं। गणेश जी के दो पुत्र हैं – *शुभ* और *लाभ*।

5. गणेश जी को कौन-कौन से नामों से पुकारा जाता है?

गणेश जी के 108 नाम हैं, जिनमें प्रमुख हैं – गजानन, विनायक, लंबोदर, विघ्नहर्ता, गणपति, एकदंत आदि।

6. गणेश जी को सबसे पहले पूजा क्यों जाता है?

मान्यता है कि किसी भी **शुभ कार्य** से पहले यदि गणेश जी की पूजा की जाए तो कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। इसलिए हर पूजा, विवाह, यात्रा या नए कार्य की शुरुआत में सबसे पहले गणेश जी का पूजन होता है।

ये भी पढ़ें: **मुस्लिम होकर भी बप्पा के भक्त हैं ये सितारे, हर साल गणेश चतुर्थी पर धूमधाम से करते हैं पूजा**

क्यों जल में बहा दी जाती है गणेश प्रतिमा? हजारों सालों से चली आ रही ये पंरपरा, महाभारत से है गहरा संबंध

Ganesh Chaturthi 2024 : गणपति बप्पा के सबसे बड़े भक्त है ये बॉलीवुड सितारे, हर साल धूमधाम से मनाते हैं गणेश चतुर्थी

IAS Interview question : किस देश में 20 हजार के नोट पर भगवान गणेश की फ़ोटो छप चुकी है

दिवाली पर किस तरह करें लक्ष्मी-गणेश और कुबेर को प्रसन्न? जानिए पूजा सामग्री, मंत्र और शुभ मुहूर्त, इनके बिना नहीं होगी तरक्की

क्यों जल में बहा दी जाती है गणेश प्रतिमा? हजारों सालों से चली आ रही ये पंरपरा, महाभारत से है गहरा संबंध

© 2025 Hindnow Pvt Ltd. All Rights Reserved.